व्यापार की योजना

पर

आय सृजन गतिविधि

खाद्य प्रसंस्करण - हल्दी पाउडर

के लिए

स्वयं सहायता समूह - जय बाबा पीर फलेल

एसएचजी/सीआईजी नाम	जय बाबा पीर फलेल
वीएफडीएस नाम	हाथिधार
श्रेणी	नूरपुर
विभाजन	नूरपुर

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका में सुधार के लिए परियोजना (जेआईसीए सहायता प्राप्त) के तहत तैयार किया गया-

<u>सामग्री की तालिकाएँ</u>

क्र. सं	विवरण	पेज नं.
1.	परिचय	3
2.	विवरण एसएचजी/सीआईजी का	3
3.	लाभार्थियों विवरण	4
4.	भौगोलिक गांव का विवरण	5
5.	कार्यकारिणी सारांश	5
6.	डीआय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	6
7.	उत्पादन प्रक्रियाओं	6-8
8.	उत्पादन योजना	8
9.	बिक्री एवं विपणन	9
10.	स्वोट विश्लेषण	9-10
11।	विवरण सदस्यों के बीच प्रबंधन का	10
12.	विवरण अर्थशास्त्र का	10-11
13.	एआय और व्यय का विश्लेषण	11-12
14.	फंड मांग	12
15.	सूत्रों का कहना है फंड का	12-13
16.	प्रशिक्षण/क्षमता भवन/कौशल उन्नयन	13
17.	गणना ब्रेक-ईवन बिंदु का	13
18.	किनारा कर्ज का भुगतान	13
19.	निगरानी तरीका	14
20.	टिप्पणी	14
21.	समूह सदस्य फ़ोटो	15
22.	ग्रुप फोटो	16
23.	संकल्प-सह-समूह सर्वसम्मति प्रपत्र	17
24.	वीएफडीएस और डीएमयू द्वारा व्यावसायिक अनुमोदन	18

1. परिचय-

जय बाबा पीर फलेल एसएचजी का गठन 18-10-2022 को हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका (जेआईसीए असिस्टेड) के सुधार परियोजना के तहत किया गया है, जो वीएफडीएस

हाथीधार और रेंज नूरपुर के अंतर्गत आता है। इस एसएचजी में 10 महिलाएं शामिल हैं और उन्होंने सामूहिक रूप से आय सृजन गतिविधि (आईजीए) के रूप में हल्दी पाउडर तैयार करने का फैसला किया। इन महिलाओं को पहले से ही हल्दी उगाने का अनुभव था और अब वे इस परियोजना की मदद से फंडिंग, प्रशिक्षण और सहायता प्राप्त कर रही हैं। वे कच्ची हल्दी को कम कीमत पर बेचने के बजाय हल्दी पाउडर को एक उत्पाद के रूप में बाजार में बेच सकेंगे।

हल्दी सबसे पुरानी खेती वाली फसलों में से एक है जो कई हजार वर्षों से भारत में उगाई जाती रही है। हल्दी, भारतीय व्यंजनों में मुख्य मसाला पाउडर है, जिसे कई लोग बीमारी से लड़ने और संभावित रूप से उलटने के लिए ग्रह पर सबसे शक्तिशाली जड़ी बूटी मानते हैं।

हल्दी पारंपरिक रूप से अपने पाक और औषधीय गुणों के लिए प्रसिद्ध है। यह कई मूल्यवान गुणों और उपयोगों वाले बहु-उपयोग उत्पादों में से एक है। इसका उपयोग भोजन, कपड़ा, चिकित्सा और कॉस्मेटिक उद्योगों में बड़े पैमाने पर किया जाता है।

2. एसएचजी/सीआईजी का विवरण

1.	एसएचजी/सीआईजी नाम	जय बाबा पीर फलेल
2.	वीएफडीएस	Hathidhar
3.	श्रेणी	नूरपुर
4.	विभाजन	नूरपुर
5.	गाँव	Hathidhar
6.	अवरोध पैदा करना	नूरपुर
7.	ज़िला	कांगड़ा
8.	कुल संख्या एसएचजी में सदस्यों की संख्या	10
9.	गठन की तिथि	18-10-2022
10.	बैंक खाता नं.	50075858709
11।	बैंक विवरण	केसीसी बैंक
12.	एसएचजी/सीआईजी मासिक बचत	(प्रति व्यक्ति 50)
13.	कुल बचत	
14.	कुल अंतर ऋण	-
15.	नकद ऋण सीमा	-
16.	चुकौती स्थिति	-

3. लाभार्थियों का विवरण

क्र.सं.	नाम	एम /ए फ	पिता/ पति का नाम	वर्ग	पद का नाम	संपर्क नंबर।
1	कुशला कुमारी	एफ	पथानु राम	सामान्य	अध्यक्ष	7807584919
2	वैष्णो देवी	एफ	अशोक कुमार	सामान्य	सचिव	8219288072
3	रेखा देवी	एफ	बचित्र सिंह	सामान्य	सदस्य	7807584159
4	बरला देवी	एफ	पठान राम	सामान्य	सदस्य	7590924509
5	रेखा देवी	एफ	दर्शन सिंह	सामान्य	सदस्य	9816245286
6	आशा देवी	एफ	करतार सिंह	सामान्य	सदस्य	8580844725
7	सुषमा देवी	एफ	श्याम सिंह	सामान्य	सदस्य	7807760285
8	ललिता कुमारी	एफ	जोगिनद्र सिंह	सामान्य	सदस्य	8091412235
9	आशा देवी	एफ	करतार सिंह	सामान्य	सदस्य	8219659132
10	रेखा देवी	एफ	सरन सिंह	सामान्य	सदस्य	

4. गांव का भौगोलिक विवरण

1	जिला मुख्यालय से दूरी	कांगड़ा - 65 कि.मी
2	मुख्य सड़क से दूरी	17 कि.मी
3	स्थानीय बाज़ार का नाम और दूरी	नूरपुर एवं 20 कि.मी पठानकोट और 45 कि.मी

4	मुख्य बाज़ार का नाम एवं दूरी	नूरपुर एवं 20 कि.मी
5	मुख्य शहरों के नाम एवं दूरी	नूरपुर एवं 20 कि.मी
6	मुख्य शहरों के नाम जहां उत्पाद बेचा/विपणन किया जाएगा	नूरपुर एवं 20 कि.मी पठानकोट और 45 कि.मी

5. कार्यकारी सारांश-

इस स्व-सहायता समूह द्वारा खाद्य प्रसंस्करण (हल्दी पाउडर) आय सृजन गतिविधि का चयन किया गया है। यह आईजीए इस एसएचजी की सभी महिलाओं द्वारा किया जाएगा। इस समूह द्वारा प्रारंभ में हल्दी का पाउडर बनाया जाएगा। यह व्यवसायिक गतिविधि समूह सदस्यों द्वारा वार्षिक रूप से की जायेगी। पाउडर बनाने की प्रक्रिया में लगभग 8-10 दिन लगते हैं। उत्पादन प्रक्रिया में सफाई, धुलाई, सुखाना, ग्रेडिंग, पीसना आदि प्रक्रियाएँ शामिल हैं। प्रारंभ में समूह कच्ची हल्दी का पाउडर बनाएगा लेकिन भविष्य में, समूह अन्य उत्पादों का निर्माण करेगा जो समान प्रक्रिया का पालन करेंगे। उत्पाद प्रारंभ में सीधे समूह द्वारा या अप्रत्यक्ष रूप से निकट बाज़ार के खुदरा विक्रेताओं और थोक विक्रेताओं के माध्यम से बेचा जाएगा।

6. आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण-

1	उत्पाद का नाम	हल्दी पाउडर
2	उत्पाद पहचान की विधि	समूह के सदस्यों द्वारा निर्णय लिया गया है
3	एसएचजी/सीआईजी/क्लस्टर सदस्यों की सहमति	हाँ

7. उत्पादन प्रक्रियाएं-

❖ **कटाई-**

- किस्म के आधार पर फसल 7-9 महीनों में कटाई के लिए तैयार हो जाती है। अगेती किस्में 7-8 महीने में, मध्यम किस्में 8-9 महीने में और देर से आने वाली किस्में 9 महीने में पक जाती हैं।
- परिपक्व होने पर पत्तियाँ सूख जाती हैं और हल्के भूरे से पीले रंग की हो जाती हैं।
- भूमि की जुताई की जाती है और प्रकंदों को हाथ से चुनकर इकट्ठा किया जाता है या गुच्छों को फावड़े से सावधानीपूर्वक उठाया जाता है।
- काटे गए प्रकंदों को उनसे चिपकी हुई मिट्टी और अन्य बाहरी पदार्थों से साफ किया जाता है।
- उंगलियां मातृ प्रकंदों से अलग हो जाती हैं। मातृ प्रकंदों को आमतौर पर बीज सामग्री के रूप में रखा जाता है।

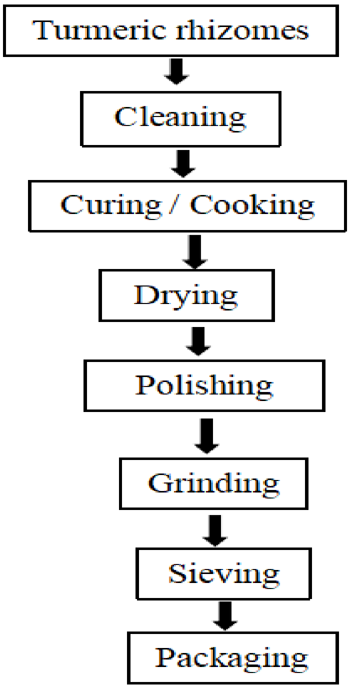

❖ प्रसंस्करण-

- <u>पसीना आना</u>

  खोदने के बाद हल्दी जमीन से, पत्तियों को पौधे से अलग कर दिया गया और सभी अशुद्धियों को दूर करने के लिए जड़ों को सावधानीपूर्वक धोया गया। पत्तियों की शल्कें और लंबी जड़ें काट दी जाती हैं और प्रकंद और शाखाएं अलग-अलग हो जाती हैं और पत्तियों में ढक जाती हैं और फिर एक दिन के लिए पसीने के लिए रह जाती हैं।

✧ इलाज

का सूखा रूप प्राप्त करना हल्दी, इसका इलाज किया जा रहा है। धोने के बाद प्रकंदों को पानी में उबाला जाता है और धूप में सुखाया जाता है। उबलने की प्रक्रिया 45-60 मिनट तक चलती है जब तक कि प्रकंद नरम न हो जाएं। उबलना आमतौर पर बाहर आने पर रुक जाता है और सफेद धुआं एक विशिष्ट गंध देता हुआ दिखाई देता है। वह चरण जहां उबालना बंद कर दिया जाता है, अंतिम उत्पाद के रंग और सुगंध को अत्यधिक प्रभावित करता है।

✧ सुखाने

इलाज के बाद हल्दी अगला चरण सूख रहा है। सुखाने के लिए फर्श या बांस की चटाई का उपयोग करके धूप में हल्दी की 5-7 सेमी मोटी परत बिछा दें। इसे ठीक से सूखने में 10-15 दिन का समय लगता है. रात में हल्दी को किसी ऐसे पदार्थ से ढक दिया जाता है जिससे हवा मिलती है।

✧ चमकाने

सूखने के बाद इसकी बाहरी सतह खुरदरी, नीरस और शल्कों तथा जड़ों के काटने वाली हो जाती है। पॉलिश करने से रूप में सुधार होगा और इसके लिए मूल रूप से मैनुअल और मैकेनिकल रगड़ तकनीक का उपयोग किया गया था।

✧ रंग

का रंग हल्दी बहुत मायने रखता है. चूँकि कीमत उत्पाद के रंग के अनुसार तय की जाती थी।

✧ पिसाई

पॉलिश की गई हल्दी की उंगलियों को पीसने के अधीन किया जाता है। खपत और पुनर्विक्रय के लिए हल्दी पाउडर तैयार करने के लिए पीसना सबसे आम कार्यों में से एक है। विशेष मसाला पीसने का मुख्य उद्देश्य स्वाद और रंग के मामले में अच्छी उत्पाद गुणवत्ता के साथ छोटे कण आकार प्राप्त करना है। इस प्रक्रिया के लिए विभिन्न परिवेशीय ग्राइंडिंग मिलें और विधियाँ उपलब्ध हैं; जैसे हैमर मिल, एट्रिशन मिल और पिन मिल। भारत में, पारंपरिक रूप से, हल्दी पीसने के लिए प्लेट मिलों और हथौड़ा मिलों का उपयोग किया जाता है।

✧ sieving

पिसे हुए मसालों का आकार स्क्रीन के माध्यम से क्रमबद्ध किया जाता है, और बड़े कणों को और भी पिसा जा सकता है। आमतौर पर उपयोग की जाने वाली स्क्रीन 60 - 80 मेश आकार की होती हैं।

✧ पैकेजिंग एवं भंडारण

हल्दी हवा बंद पेपर बैग में पैक किया जाता है और भीतर से पॉलीथीन से लेपित किया जाता है। साथ ही, उत्पाद की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए इसे सूखे भंडारण में और रोशनी से दूर रखा जाता है। ताकि हल्दी अपनी उचित मात्रा में नमी न खोए।

8. उत्पादन योजना -

1.	हल्दी पाउडर का उत्पादन चक्र (दिनों में)	8-10 दिन
2.	प्रति चक्र आवश्यक मानव शक्ति (संख्या)	सभी देवियाँ
3.	कच्चे माल का स्रोत	स्थानीय बाज़ार/मुख्य बाज़ार
4.	अन्य संसाधनों का स्रोत	स्थानीय बाज़ार/मुख्य बाज़ार
5.	प्रति माह आवश्यक मात्रा (किलो)	1500
8.	प्रति माह अपेक्षित उत्पादन (किलो)	1500

कच्चे माल की आवश्यकता एवं अपेक्षित उत्पादन

क्रमांक	कच्चा माल	इकाई	समय	मात्रा(लगभग)	मात्रा प्रति किलोग्राम (रु.)	कुल राशि	अपेक्षित उत्पादन प्रति माह (किलो)
1	कच्ची हल्दी	किग्रा	महीने के	1500	50	75,000	1500

9. बिक्री एवं विपणन -

1	संभावित बाज़ार स्थान	नूरपुर और पठानकोट
2	इकाई से दूरी	20 किमी और 45 किमी
3	उत्पादन बाज़ार स्थानों की मांग	दैनिक मांग
4	बाज़ार की पहचान की प्रक्रिया	समूह के सदस्य अपनी उत्पादन क्षमता और बाजार में मांग के अनुसार खुदरा विक्रेता या थोक विक्रेता की सूची का चयन करेंगे। शुरुआत में उत्पाद नजदीकी बाजारों में बेचा जाएगा।
5	उत्पाद की मार्केटिंग रणनीति	एसएचजी सदस्य अपने उत्पाद सीधे गांव की दुकानों और विनिर्माण स्थल/दुकान से बेचेंगे। निकटवर्ती बाजारों के खुदरा विक्रेता, थोक विक्रेता द्वारा भी। प्रारंभ में उत्पाद 5,1 और 0.5 किलोग्राम की पैकेजिंग में बेचा जाएगा।
6	उत्पाद ब्रांडिंग	सीआईजी/एसएचजी स्तर पर उत्पाद का विपणन सीआईजी/एसएचजी की ब्रांडिंग करके किया जाएगा। बाद में इस आईजीए को क्लस्टर स्तर पर ब्रांडिंग की आवश्यकता हो सकती है

10. स्वोट अनालिसिस-

- ताकत-
  - कच्चा माल आसानी से उपलब्ध।
  - विनिर्माण प्रक्रिया सरल है.

- ✧ उचित पैकिंग और परिवहन में आसान।
- ✧ उत्पाद का शेल्फ जीवन लंबा है।
- ✧ घर का बना, कम लागत।

❖ कमजोरी-

- ✧ विनिर्माण प्रक्रिया/उत्पाद पर तापमान, आर्द्रता, नमी का प्रभाव।
- ✧ अत्यधिक श्रम गहन कार्य.
- ✧ अन्य पुराने और प्रसिद्ध उत्पादों के साथ प्रतिस्पर्धा करें।

❖ अवसर- लाभ के अच्छे अवसर हैं क्योंकि उत्पाद की लागत अन्य समान श्रेणियों के उत्पादों की तुलना में कम है।

- ✧ दुकानों, फास्ट फूड स्टालों, खुदरा विक्रेताओं, थोक विक्रेताओं, कैंटीन, रेस्तरां, रसोइयों और रसोइयों, गृहिणियों, सौंदर्य उत्पाद बनाने वाले सौंदर्य ब्रांडों और दवा कंपनियों द्वारा भी उच्च मांग।
- ✧ बड़े पैमाने पर उत्पादन के साथ विस्तार के अवसर भी हैं।
- ✧ दैनिक उपभोग.

❖ धमकियाँ/जोखिम-

- ✧ विशेषकर सर्दियों और बरसात के मौसम में विनिर्माण और पैकेजिंग के समय तापमान, नमी का प्रभाव।
- ✧ कच्चे माल की कीमत में अचानक वृद्धि.
- ✧ प्रतिस्पर्धी बाज़ार.

11. सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण-

आपसी सहमति से एसएचजी समूह के सदस्य अपनी भूमिका तय करेंगे और निभाने की जिम्मेदारी काम। सदस्यों के बीच उनके मानसिक और शारीरिक हिसाब से काम का बंटवारा किया जाएगा क्षमताएं।

- ❖ समूह के कुछ सदस्य प्री-प्रोडक्शन प्रक्रिया (यानी - कच्चे माल की खरीद आदि) में शामिल होंगे।
- ❖ समूह के कुछ सदस्य उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे।
- ❖ समूह के कुछ सदस्य पैकेजिंग और मार्केटिंग में शामिल होंगे।

12. अर्थशास्त्र का विवरण -

ए. पूंजीगत लागत

क्र.सं.	विवरण	मात्रा	यूनिट मूल्य	राशि (रुपये)
1	हल्दी के बीज	200 किग्रा	100	10,000
2	चक्की मशीन	1	30,000	30,000
3	भंडारण टैंक	1	10,000	10,000
4	तोलनयंत्र	1	8,000	8,000
5	रसोईघर के उपकरण		रास	10,000
6	तैयार उत्पाद भंडारण अलमारी/रैक	2	5,000	10,000
7	हाथ से चलने वाली पैकिंग मशीन	2	10,000	10,000
8	एप्रन, टोपी, प्लास्टिक के हाथ के दस्ताने आदि		रास	5000
कुल पूंजी लागत (ए) =		**93,000**		

बी. आवर्ती लागत					
क्र. सं.	विवरण	इकाई	मात्रा	कीमत	कुल राशि (रु.)
1	कच्चा माल	महीना	1500	50	75,000
2	कमरे का किराया	महीना	1	1000	1000
3	पैकेजिंग सामग्री	महीना	रास	2000	2000
4	परिवहन	महीना	1	1000	1000
5	अन्य (स्टेशनरी, बिजली, पानी बिल, मशीन की मरम्मत)	महीना	1	1500	1500

कुल आवर्ती लागत (बी) = 80,500

सी. उत्पादन की लागत		
क्र.सं.	विवरण	मात्रा
1	कुल आवर्ती लागत	80,500
2	पूंजीगत लागत पर सालाना 10% मूल्यह्रास	775
कुल = 81,275		

डी. विक्रय मूल्य गणना			
क्र.सं.	विवरण	इकाई	मात्रा
1	उत्पादन की लागत	किग्रा	80
2	वर्तमान बाजार मूल्य	किग्रा	250-300
3	अपेक्षित विक्रय मूल्य	किग्रा	200

13. आय एवं व्यय का विश्लेषण (प्रति माह) –

क्र.सं.	विवरण	मात्रा
1	पूंजीगत लागत पर सालाना 10% मूल्यह्रास	775
2	कुल आवर्ती लागत	80,500
3	कुल उत्पादन (किग्रा)	1500
4	विक्रय मूल्य (प्रति किलोग्राम)	200
5	आय सृजन (200*1500)	3,00,000
6	शुद्ध लाभ (300000 - 80500)	2,19,500
7	शुद्ध लाभ का वितरण	✧ लाभ को मासिक/वार्षिक आधार पर सदस्यों के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा। ✧ लाभ का उपयोग आवर्ती लागत को पूरा करने के लिए किया जाएगा। ✧ लाभ का उपयोग आईजीए में आगे के निवेश के लिए किया जाएगा

14. फंड की आवश्यकता –

क्र.सं.	विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना योगदान	एसएचजी योगदान
1	कुल पूंजीगत लागत	95000	47500	47500
2	कुल आवर्ती लागत	80,500	0	80,500
3	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन।	50,000	50,000	0
कुल		2,25,500	97,500	1,28,000

15. निधि के स्रोत -

परियोजना का समर्थन	✧ यदि समूह सामान्य श्रेणी का है तो पूंजीगत लागत का 50% और अन्य श्रेणी का होने पर 75% पूंजीगत लागत परियोजना द्वारा प्रदान की जाएगी। ✧ एसएचजी बैंक खाते में 1 लाख रुपये तक जमा किए जाएंगे। ✧ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत। ✧ 5% ब्याज दर की सब्सिडी डीएमयू द्वारा सीधे बैंक/वित्तीय संस्थान में जमा की जाएगी और यह सुविधा केवल तीन वर्षों के लिए होगी। एसएचजी को नियमित आधार पर मूल राशि की किश्तों का भुगतान करना होगा।	खरीद सभी कोडल औपचारिकताओं का पालन करने के बाद मशीनों/उपकरणों का कार्य संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा किया जाएगा।
एसएचजी योगदान	✧ यदि सामान्य वर्ग से है तो पूंजीगत लागत का 50% एसएचजी द्वारा वहन किया जाएगा और यदि अन्य वर्ग से है तो 25%। **लेकिन सदस्य निम्न आय वर्ग से संबंधित हैं और वे 25% योगदान कर सकते हैं और परियोजना को शेष 75% वहन करना होगा**. ✧ आवर्ती लागत एसएचजी द्वारा वहन की जाएगी।	

16.प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।

निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- ✧ कच्चे माल की लागत प्रभावी खरीद
- ✧गुणवत्ता नियंत्रण

✧पैकेजिंग और मार्केटिंग

✧वित्तीय प्रबंधन

16. ब्रेक-ईवन पॉइंट की गणना -

= पूंजीगत व्यय/(विक्रय मूल्य (प्रति किग्रा)-उत्पादन लागत (प्रति किग्रा))

=95,000/ (200-80)

= 527 किग्रा

इस प्रक्रिया में 527 किलोग्राम पाउडर बेचने के बाद ब्रेक-ईवन हासिल किया जाएगा।

17. बैंक ऋण चुकौती-

यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण के रूप में होगा सीमा और सीसीएल के लिए वहाँ है चुकौती अनुसूची नहीं; हालाँकि, सदस्यों से मासिक बचत और पुनर्भुगतान रसीद चाहिए सीसीएल के माध्यम से भेजा जाएगा।

✧सीसीएल में, एसएचजी का बकाया मूल ऋण वर्ष में एक बार बैंकों को पूरा भुगतान किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।

✧सावधि ऋणों में, पुनर्भुगतान बैंकों में पुनर्भुगतान अनुसूची के अनुसार किया जाना चाहिए।

✧परियोजना समर्थन - 5% ब्याज दर की सब्सिडी डीएमयू द्वारा सीधे बैंक/वित्तीय संस्थान को जमा की जाएगी और यह सुविधा केवल तीन वर्षों के लिए होगी। एसएचजी/सीआईजी को नियमित आधार पर मूल राशि की किश्तों का भुगतान करना होगा।

18. निगरानी विधि-

❖ वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की निगरानी करेगी और अनुमान के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यकता पड़ने पर सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।

- एसएचजी को प्रत्येक सदस्य के आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की भी समीक्षा करनी चाहिए और यदि आवश्यकता हो तो प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए।

निगरानी के लिए कुछ प्रमुख संकेतक इस प्रकार हैं:

- समूह का आकार
- निधि प्रबंधन
- निवेश
- आय पीढ़ी
- उत्पाद की गुणवत्ता

19. टिप्पणी

सदस्य निम्न आय वर्ग से संबंधित हैं और वे 25% योगदान कर सकते हैं और परियोजना को वहन करना होगा शेष 75%. भविष्य में समूह इसी प्रकार अन्य प्रजातियों का भी पाउडर बनाएगा प्रक्रिया और समान मशीनों की आवश्यकता होती है

20.समूह सदस्य तस्वीरें:

Jai Baba Peer Jalel
Ward No - 5C
Haldi powder.
Kushla Kumari
[President]
Vaishno devi
[Secratory]
Rekha devi
[Treasurer]
Rekha devi

21. संकल्प-सह-समूह सर्वसम्मति प्रपत्र

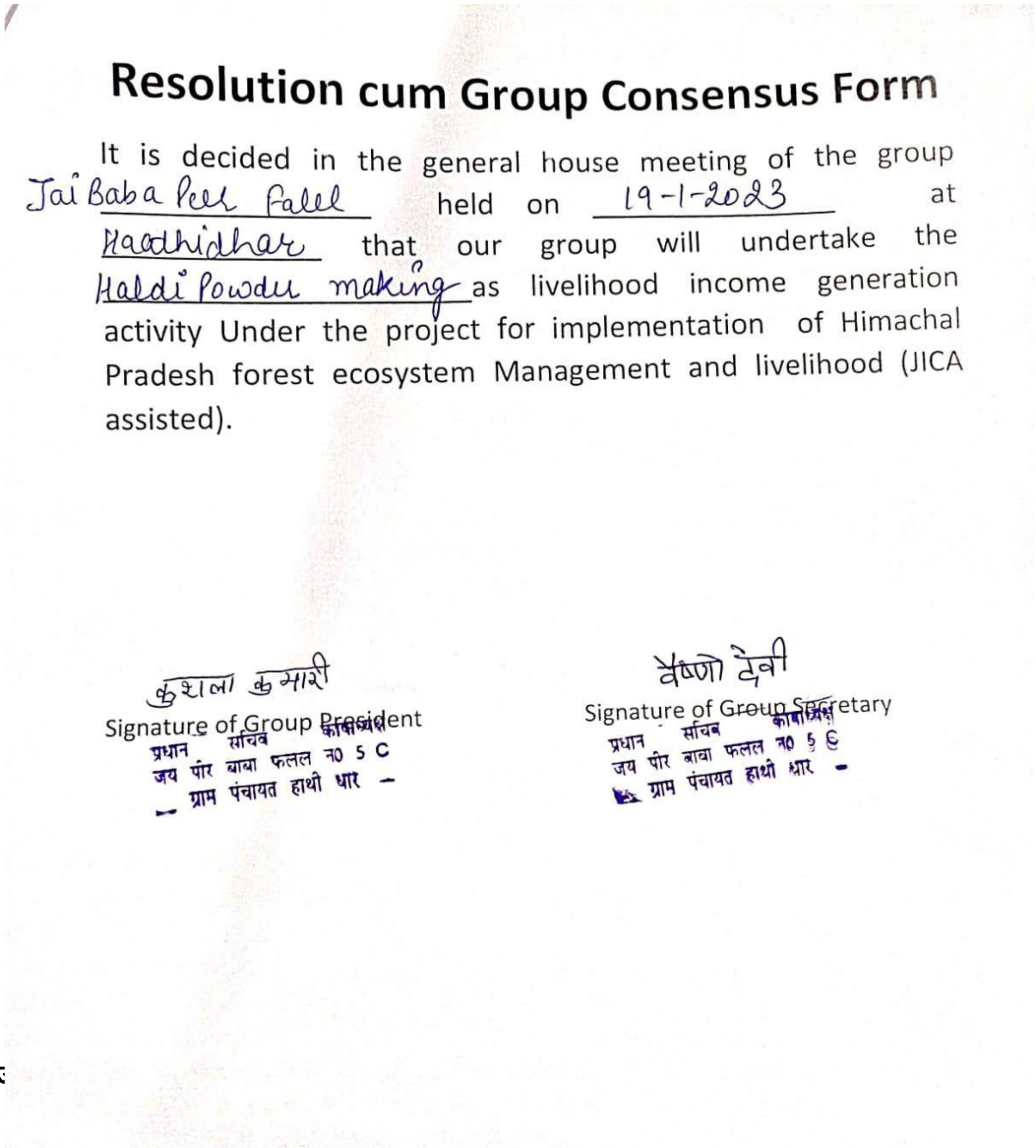

Resolution cum Group Consensus Form

It is decided in the general house meeting of the group Jai Baba Peer Falel held on 19-1-2023 at Haathidhar that our group will undertake the Haldi Powder making as livelihood income generation activity Under the project for implementation of Himachal Pradesh forest ecosystem Management and livelihood (JICA assisted).

कुशला कुमारी
Signature of Group President
प्रधान सचिव कोषाध्यक्ष
जय पीर बाबा फलल न० 5 C
ग्राम पंचायत हाथी धार

वैष्णो देवी
Signature of Group Secretary
प्रधान सचिव कोषाध्यक्ष
जय पीर बाबा फलल न० 5 C
ग्राम पंचायत हाथी धार

22. वीएफडीएस और डीएमयू द्वारा व्यावसायिक अनुमोदन

Business Plan Approval by VFDS & DMU

Jai Baba Peer Falil Group will undertake the Haldi Powder making as livelihood Income Generation Activity under the project for implementation of Himachal Pradesh forest ecosystem Management and livelihood (JICA assisted). In this regard business plan of amount Rs. 225500 has been submitted by group on 19/1/2023 and the business plan has been approved by the VFDS Hathi Dhar

Business plan is submitted through FTU for further action please.

Thank you

Signature of Group President — Signature of Group Secretary

(Stamp: प्रधान जय पीर बाबा फलल न० 5 C ग्राम पंचायत हाथी धार)

Signature of President VFDS

(Stamp: President Gram Ban Sudhar Samiti Hatti Dhar, Teh. Nurpur (H.P.))

Approved

DMU cum Nurpur